राजभवन में ध्वजारोहण

हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से. नि.) ने देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रीय ध्वज को नमन करते हुए परेड की सलामी ली। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्तव्यपरायण पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशिष्ट कार्य के लिए श्री राज्यपाल उत्कृष्ट सेवा पदक श्रीमती प्रीति प्रियदर्शनी, सेनानायक 31वीं वाहिनी पीएसी रुद्रपुर, श्री अजय सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस.टी.एफ., श्रीमती ममता बोहरा, अपर पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर को प्रदान किए गए। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधू, डी.जी.पी. श्री अशोक कुमार, राज्यपाल के सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा सहित पुलिस तथा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। परेड ग्राउण्ड में पी.ए.सी. उत्तराखण्ड पुलिस, अश्व दल, पुलिस संचार, दंगा नियंत्रण वाहन, अग्नि शमन ने मार्चपास्ट में प्रतिभाग किया।

गणतंत्र दिवस का यह पर्व विभिन्न कारागारों में सजा काट रहे 175 कैदियों के लिए विशेष रहा। राज्यपाल महोदय ने मानवीय रुख अपनाते हुए गणतंत्र दिवस पर राज्य के विभिन्न कारागारों में लम्बी अवधि से सजाएं काट रहे 175 कैदियों के समय पूर्व मुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अनुमति प्रदान कर दी है। राज्य गठन के बाद से उत्तराखण्ड के इतिहास में यह पहला मौका है जब सर्वाधिक संख्या में राज्यपाल द्वारा दया के आधार पर एक साथ 175 कैदियों को समयपूर्व मुक्त किए जाने की अनुमति दी गई हैं। समयपूर्व मुक्त किये जाने वाले बन्दियों में एक कैदी 47 वर्षों से अधिक अवधि से कारागार में सजा काट रहा था। 7 अन्य कैदी 40 वर्षों से अधिक अवधि से विभिन्न कारागारों में सजा काट रहे थे। इनमें से 26 कैदी लगभग 30 वर्षों से अधिक अवधि की सजा काट रहे थे। 9 महिला कैदियों की भी समय पूर्व मुक्त किए जाने की अनुमति दी गई है। सम्पूर्णानन्द शिविर, सितारगंज से 27 कैदियों, केन्द्रीय कारागर, ऊधमसिंहनगर से 52, जिला कारागार हरिद्वार से 63, जिला कारागार पौड़ी से 01, जिला कारागार चमोली से 01, केन्द्रीय कारागार बरेली, उत्तर प्रदेश से 02, केन्द्रीय कारागार वाराणसी, उत्तर प्रदेश से 01, केन्द्रीय कारागार फतेहगढ़, उत्तर प्रदेश से 01 कैदी तथा 23 अन्य कैदियों के समय पूर्व मुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर राज्यपाल ने मंजूरी दी है। उक्त समस्त कैदियों को राज्यपाल द्वारा दया के आधार तथा उनके अच्छे आचरण के आधार पर समय पूर्व मुक्त किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है।

राज्यपाल महोदय ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी है। राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबा साहब आम्बेडकर सहित सभी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं संविधान निर्माताओं को नमन किया है। उन्होंने वीर भूमि उत्तराखण्ड के सभी सैनिक परिवारों के प्रति भी सम्मान प्रकट किया है जिनके वीर, पराक्रमी व शौर्यवान सपूतों ने माँ भारती की रक्षा का महान निश्चय किया है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों के नाम जारी अपने संदेश में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)ने कहा कि आज का दिन गहरे आत्ममंथन, सकंल्प और समर्पण का दिन है। हमने जो भी लक्ष्य तय किये उनको दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और पूर्ण समर्पण से पूरा करने के लिए संकल्प लेने का दिन है। आज का दिन आत्ममूल्यांकन का भी दिन है। हमें देखना होगा कि हमने अपने देश, राज्य और समाज के लिए क्या किया। हमें स्वयं में देश के लिए जिम्मेदारी की भावना विकसित करनी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि अलग राज्य गठन के बाद उत्तराखण्ड ने विकास और तरक्की का 21 वर्षों का स्वर्णिम मार्ग तय किया है। लेकिन अभी हमें बहुत कुछ करना है। राज्य आन्दोलनकारियों के सपनों और जनता की भावनाओं के अनुसार राज्य को तरक्की की नई ऊँचाइयों पर ले जाना है। हमें सामने खड़ी तरह-तरह की चुनौतियों का मजबूती से सामना करना है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य की सबसे बड़ी चिन्ता पलायन है। विशेषकर सीमान्त जिलों में पलायन सामरिक दृष्टिकोण से एक चेतावनी है। हमें रिवर्स माइग्रेशन को एक मिशन बनाना होगा। राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों के दूर-दराज इलाकों में रोड कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के द्वारा ही माइग्रेशन को रोका जा सकता है। मुझे इस दिशा में उत्तराखण्ड के युवाओं से बहुत सी उम्मीदें हैं। मुझे आशा है कि उत्तराखण्ड की नयी पीढ़ी रिवर्स माइग्रेशन के लिये कार्य करेगी। वे अपने घर-गांवों में ही इनोवेशन, टेक्नोलॉजी एवं डिजिटल मार्केटिंग, माइक्रो फाइनेंसिंग के माध्यम से, स्थानीय उत्पादों पर आधारित स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाने का प्रयास करें। युवा उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों एवं हस्तशिल्पों को ब्राण्ड के रूप में ग्लोबल प्लेटफोर्म पर स्थापित करने का प्रयास करें। उत्तराखण्ड के युवाओं को अपने घर-गांवों, मिट्टी से जुड़ने के जज्बे को कायम रखना होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विकास और तरक्की में, सबकी समान भागीदारी से ही गणतंत्र की मूल भावना को साकार किया जा सकता है। हमें राज्य के विकास में स्थानीय भागीदारी को तय करना है। विशेषकर महिलाओं और युवाओं की भागीदारी अहम है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड मातृ शक्ति की भूमि है। राज्य की महिलाएं विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों की महिलाएं महिला सशक्तीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। राज्य में महिलाएं ही आर्थिक व सामाजिक ढांचे की रीढ़ हैं। उत्तराखण्ड की परिश्रमी, साहसी व आत्मनिर्भर महिलाएं देश और दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत हैं। महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिख रही हैं। उनके द्वारा स्थानीय उत्पादों व शिल्पों पर आधारित स्वरोजगार के लिए किये जा रहे प्रयास सराहनीय है। राज्य में महिलाओं को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं तथा शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है। महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना होगा। महिलाओं को मजबूत किए बिना कोई देश या समाज तरक्की नहीं कर सकता।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि समस्त विश्व गत दो वर्षों से कोरोना महामारी से प्रभावित है। हमने कोविड की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने का प्रयास किया, लेकिन ध्यान रखना होगा कि अभी यह स्वास्थ्य संकट समाप्त नहीं हुआ है। हमें कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना है। साथ ही अन्य लोगों को कोविड अनुरूप व्यवहार अपनाने और टीकाकरण के लिए जागरूक करना है। हेल्थ वर्कर्स के अथक प्रयासों एवं सेवा भावना से ही हम अपनी आबादी के एक बड़े हिस्से का टीकाकरण

गणतंत्र दिवस समारोह में पुलिस कार्मिकों को सम्मानित करते हुए राज्यपाल महोदय

करवाने में सफल रहे। राज्य में भी समर्पित हेल्थ वर्कर्स ने बुजुर्गों, दिव्यांगों एवं जरूरतमंद महिलाओं का उनके घरों पर जाकर टीकाकरण किया। मैं हेल्थ वर्कर्स के प्रति हृदय से सम्मान प्रकट करता हूँ। राज्यपाल ने कहा कि अब हम सभी को मिलजुल स्थिति को सामान्य करने का प्रयास करना है। हमें दृढ़ निश्चय के साथ सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में संगठित होकर आगे बढ़ना होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि शिक्षा के द्वारा ही हम विकास, प्रगति, सुख-समृद्धि और खुशहाली के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। हमें उत्तराखण्ड के, दूर-दराज इलाकों और सीमान्त क्षेत्रों में स्कूलों में समर्पित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री एवं अच्छी सुविधाएं पहुंचानी होंगी। स्मार्ट क्लासेज, ऑनलाइन शिक्षा और टेक्नोलॉजी के माध्यम से दूर दराज के इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी को पूरा करने का प्रयास किया जा सकता है। हमें ध्यान देना होगा कि अच्छी शिक्षा केवल बड़े शहरों में रहने वाले धनवान एवं सक्षम बच्चों को ही नहीं बल्कि राज्य के दूर-दराज इलाकों और सीमाओं पर बसे अन्तिम गांवों के जरूरतमंद बच्चों को भी समान रूप से मिले। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत से सुधारों की जरूरत है। राज्य में विश्वविद्यालयों और तकनीकी शिक्षण संस्थानों की बढ़ती संख्या के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर भी बल देना जरूरी है। विश्वविद्यालयों में शोध, इनोवेशन, वोकेशनल ट्रेनिंग तथा कौशल आधारित शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों को आधुनिकीकरण, ट्रांसफोर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटाइजेशन और नई टेक्नोलॉजी के लिए काम करना है। विश्वविद्यालयों को राज्य की चुनौतियों जैसे रिवर्स माइग्रेशन, महिला सशक्तीकरण, स्वयं सहायता समूहों की मजबूती, किसानों की आमदनी बढ़ाने, गांवों को आत्मनिर्भर बनाने, स्थानीय उत्पादों के द्वारा स्वरोजगार जैसे मुद्दों पर भी कार्य करना है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड में जैविक कृषि, एरामेटिक प्लान्टस फार्मिंग, बागवानी, जड़ी-बूटियों की खेती और फलों के उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। इन्हें लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण ईकाइयों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर अधिक से अधिक लाभ, प्राप्त किया जा सकता है। जरूरत है कि अधिक से अधिक स्थानीय लोगों विशेषकर युवाओं को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए। स्थानीय लोगों की आमदनी बढ़ाने और पलायन रोकने के लिए यह सबसे कारगर जरिया हो सकता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि युवा इस देश और राज्य का वर्तमान, भविष्य और शक्ति है। युवाओं की असाधारण ऊर्जा, रचनात्मक सोच, ईमानदारी, निडरता और मजबूती इस महान देश के सुनहरे भविष्य का निर्माण करेगी। युवा ही बदलाव की शक्ति है। युवाओं को देश के प्रति अपने जिम्मेदारियों को समझते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने के सपने को साकार करना है। युवाओं को सिर्फ अधिकारों की बात न करके पूरी मानदारी से अपने कर्तव्यों का भी पालन करना हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि युवाओं को धर्म, जाति, भाषा, प्रान्त और अन्य संकीर्ण मानसिकताओं को समाप्त करके राष्ट्र सर्वोपरि के जुनून और जज्बे को कायम रखना है। भ्रष्टाचार और हिंसा को समाप्त करके सामाजिक एकता और, सतत विकास में योगदान करना हर भारतीय का पवित्र कर्तव्य है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि "राज्य में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रदेशवासियों को आने वाले 5 वर्षों के लिए एक बार फिर अपनी सरकार चुनने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। मेरी अपील है कि, जाति, धर्म, धन, बल अथवा अन्य किसी, दबाव में आये बिना, राज्य हित में निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर निर्भीक (निडर) होकर संविधान से प्राप्त अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र को मजबूत बनायें। विभिन्न राजनैतिक दलों के सभी उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं तथा प्रशासन से भी अपील है कि वे निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराकर लोकतंत्र के इस महापर्व का सम्मान करें।"

बीआरओ की जांबाज नारी शक्ति भारत के संविधान में स्त्री-पुरुष को दिए गए समानता के अधिकार का उत्कृष्ट उदाहरण

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में बीआरओ के कर्मयोगी उत्कृष्टता सम्मान समारोह में राज्यपाल महोदय ने कर्मयोगियों को सम्मानित किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित बीआरओ कर्मयोगी उत्कृष्टता सम्मान समारोह में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कार्मिकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए गवर्नर मेडल से सम्मानित किया। कैप्टन अंजना, सहायक अधिशासी अभियंता (सिविल) विष्णुमाया के, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) अभिषेक देव, अवर श्रेणी लिपिक शर्ली पीटी, पायनियर सुनीता देवी, कैप्टन के. सेल्वा कुमार, कनिष्ठ अभियंता सिविल संजू आशीष कुजुर, ओ एम सुनील कुमार जे, कुशल श्रमिक नरेंद्र सिंह, मजदूर पुष्पा देवी को कर्तव्य के प्रति पूर्ण समर्पण और विशिष्ट सेवा के लिए राज्यपाल महोदय द्वारा गवर्नर मेडल प्रदान किए गए। परियोजना एसटीएफ हिरक को राज्यपाल प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। 765 सीमा सड़क कार्यबल धारचूला उत्तराखंड परियोजना एसटीएफ हिरक/सीमा सड़क संगठन उत्तराखंड द्वारा घटिया बागड़ लिपुलेख, गूंजी कुट्टी जोलिंकोंग होते हुए लिपुलेख दर्रा, धर्मा, चौंदास घाटियों, पिथौरागढ़ तवाघाट मार्गों और ऐसे ही अनेक विकट चुनौतीपूर्ण स्थानों पर सड़कों एवं पुलों का पुनर्निर्माण, रखरखाव एवं विस्तार किया गया। 14वीं बटालियन डोगरा रेजीमेंट को भी राज्यपाल प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। इनके द्वारा अक्टूबर 2021 में नैनीताल और आसपास के क्षेत्र में भूस्खलन, बाढ़ और अन्य विनाशकारी आपदा में ऑपरेशन राहत के तहत स्थानीय निवासियों और पर्यटकों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया गया। इनके वीर सैनिकों के द्वारा जान जोखिम में डालकर स्थानीय निवासियों और पर्यटकों की अमूल्य जान बचाते हुए हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि बीआरओ के जवानों को विशेषकर महिला कार्मिकों को सम्मानित करके मैं खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। मेरे लिए यह बड़े सम्मान और गर्व का क्षण है। मुझे आशा है कि इन बहादुर महिलाओं से देश की सभी महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी। मैं बीआरओ को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने पहली बार महिला अधिकारियों को आरसीसी की कमाण्ड दी है।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि बीआरओ की जाबांज नारी शक्तियां भारत के संविधान में स्त्री-पुरुष को दिए गए समानता के अधिकार का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन महिलाओं ने समाज की सोच को बदल दिया है। इतनी कठिन भौगोलिक स्थितियों में सीमांत क्षेत्रों में ये साहसी महिलाएं सड़क निर्माण जैसे कठिन काम को अंजाम दे रही हैं। हम एक सीमांत राज्य है। हमारी जिम्मेदारियां अलग ही हैं। हमारी सरहदों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका है। सरहदों पर सैनिक कठिन परिस्थितियों में तैनात हैं। गर्व का विषय है कि अब महिलाएं भी सीमाओं पर बीआरओ के माध्यम से सेवाएं दे रही हैं। सीमांत क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण से स्थानीय आबादी को वहां पर रोकना आसान होगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधू तथा डीजीपी श्री अशोक कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा – एनसीसी कैडेट्स की संख्या सत्तर हजार किए जाने की जरूरत

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आरडीसी दिल्ली में प्रतिभाग करने वाले एनसीसी कैडेट्स को राज्यपाल महोदय ने राजभवन देहरादून में सम्मानित किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि उत्तराखण्ड में वर्तमान चालीस हजार एनसीसी कैडेट्स की संख्या को सत्तर हजार तक बढ़ाए जाने की जरूरत है। राज्य के स्कूलों और कॉलेजों में ज्यादा से ज्यादा छात्रों विशेषकर बालिकाओं को एनसीसी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने राजभवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आरडीसी दिल्ली में प्रतिभाग करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया। कैडेटस को तीसरा स्थान प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर आरडीसी कैम्प और राजपथ पर प्रतिभाग करना बड़े सम्मान और गौरव की बात है। आपको कोशिश करनी है कि अगली बार

आप प्रथम स्थान पर रहें। आपने जो भी सबक सीखे हैं उन्हें याद रखें तथा अपनी कमियों में सुधार करें। मुझे विश्वास है कि आपने एनसीसी के दौरान जो अनुभव प्राप्त किए हैं, आप अपने परिवार, समाज और दोस्तों से साझा करेंगे।

कैडेट्स को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि देशभक्ति से बड़ी कोई भक्ति नही है। देशप्रेम से बढ़कर कोई प्रेम नही है। न ही देशसेवा से बढ़कर कोई सेवा है। जय हिन्द, तिरंगा और राष्ट्र सर्वोपरि युवाओं का एकमात्र ध्येय होना चाहिए। युवा जीवन में जिस क्षेत्र में भी जाएं देशहित और देशसेवा को अपने हर काम, फैसले, सोच-विचार और कोशिश में सबसे ऊपर स्थान दें। देश का आज और कल आपकी काबिलियत, क्षमता, दृढ़ निश्चय और निष्ठा पर निर्भर है। युवा देश की ताकत है। कोशिश होनी चाहिए कि यह ताकत देश के विकास, खुशहाली तथा देश को मजबूत व सुरक्षित करने में लगे। यह ताकत भारत को दुनिया का सबसे ज्ञानवान, समृद्ध और खुशहाल राष्ट्र बनाने में लगे। राज्यपाल ने कहा कि उम्मीद है कि आज दुनिया ने हम पर जो भरोसा दिखाया है, हमारे नौजवान उस भरोसे पर खरे उतरेंगे। आज पूरी दुनिया हमें बड़ी उम्मीदों से देख रही है। हमारी युवा शक्ति उन उम्मीदों को अपनी काबिलियत, मेहनत और ईमानदारी से जरूर पूरा करेगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि मुझे यहाँ पर सबसे ज्यादा खुशी एनसीसी में बालिका कैडेट्स को देखकर हो रही है। आज भारत की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वह हर मोर्चे पर डटकर खड़ी हैं और सफलता के परचम लहरा रही हैं। खुशी होती है यह देखकर कि हमारी बेटियां देश की सरहदों की रक्षा में भी सबसे आगे हैं। सैनिक स्कूलों, एनडीए के दरवाजे

बालिकाओं के लिए खुल चुके हैं। बालिकाओं ने समाज की सोच को बदल डाला है। वह बदलाव की शक्ति बन गई हैं। मैं चाहता हूँ कि उत्तखण्ड की अधिक से अधिक बेटियां एनसीसी, एनडीए और सैनिक सेवाओं में आयें। देश को उनकी काबिलियत की जरूरत है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स की एक विशेषता है कि वह जिन्दगी के जिस भी क्षेत्र में जाएं, कामयाबी हासिल करते हैं। अपने अनुशासन और ट्रेनिंग के बल पर कैडेट्स जीवन की हर चुनौती का सामना सफलतापूर्वक करते हैं। वह सेवा और मदद के काम में सबसे आगे होते हैं।

इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, एडीजी एनसीसी, कॉंटिजेंट कमाण्डर एनसीसी निदेशालय उत्तराखण्ड ले.क. थापा, अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं अपना घर अनाथालय के बच्चे उपस्थित थे।

'अपना घर अनाथालय' के 50 बच्चों के साथ सादगी के साथ मनाया

राज्यपाल महोदय ने अपना जन्मदिन

राजभवन देहरादून में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने अपना जन्मदिन सादगी के साथ 'अपना घर अनाथालय' के 50 बच्चों के साथ सादे समारोह में मनाया। राज्यपाल महोदय तथा राज्य की प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने इस अवसर पर "अपना घर" के बच्चों को राजभवन में आमंत्रित किया था। राज्यपाल ने बच्चों के साथ अनौपचारिक संवाद किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों से परिश्रम, हिम्मत, लगन और ईमानदारी के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करते हुए बड़े लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही। राज्यपाल ने कहा कि बच्चे बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए ईमानदारी और मेहनत से निरन्तर प्रयास करें। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

राजभवन देहरादून में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने जन्मदिवस पर अनाथालय के बच्चों को केक खिलाते हुए

राजभवन देहरादून में डीजीपी अशोक कुमार राज्यपाल महोदय को जन्मदिवस की बधाई देते हुए

राजभवन में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्यपाल महोदय को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए

डीजीपी श्री अशोक कुमार ने अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ राज्यपाल महोदय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी

टर्बन ट्रैवलर के नाम से लोकप्रिय श्री अमरजीत सिंह चावला ने राज्यपाल महोदय से मुलाकात की

राजभवन देहरादून में टर्बन ट्रैवलर के नाम से लोकप्रिय श्री अमरजीत सिंह चावला ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि दिल्ली निवासी श्री अमरजीत सिंह चावला ने नई दिल्ली से लंदन की 33000 किलोमीटर यात्रा वाहन द्वारा सड़क मार्ग से पूरी की, उन्होंने 150 दिनों की इस यात्रा के दौरान 33 देशों का भ्रमण किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि टर्बन ट्रैवलर श्री अमरजीत सिंह चावला जिस प्रकार वरिष्ठ नागरिक होते हुए भी अपनी यात्राओं के जुनून को पूरा कर रहे हैं, वह प्रेरणादायक है। उनका जिंदगी के प्रति यह जज्बा, जोश और उत्साह सराहनीय है। युवा पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल महोदय ने श्री अमरजीत सिंह चावला को उनकी भविष्य की यात्रा हेतु शुभकामनाएं दी।

राजभवन में वाइस एडमिरल अनुराग थपलियाल तथा रियर एडमिरल लोचन सिंह ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में पर्यावरणविद डॉ. अनिल जोशी ने राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट की

राज्यपाल महोदय ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दी

राज्यपाल महोदय ने कहा - हमारी बेटियों को मां सरस्वती से ज्ञान, विद्या, शिक्षा और बुद्धिमत्ता का वरदान मिले।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने समस्त प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दी है। अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल महोदय ने कहा कि ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती समस्त उत्तराखंडवासियों के जीवन में ज्ञान, हर्ष, उल्लास तथा उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

उत्तराखण्ड की बेटियों के लिए शिक्षा और ज्ञान की कामना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती के पूजन के समय निश्चय करें कि हमारी बेटियों को मां सरस्वती से ज्ञान, विद्या, शिक्षा और बुद्धिमत्ता का वरदान मिले। मातृशक्ति के राज्य उत्तराखण्ड में नारी शक्ति को ज्ञान शक्ति में परिवर्तित करना होगा। घर की सरस्वती बेटियों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना समाज का समन्वित उत्तरदायित्व है।

राज्यपाल ने कहा कि विद्यादायिनी मां सरस्वती सभी के जीवन में नवीन ऊर्जा और उमंग का संचार करें। मां सरस्वती के आशीर्वाद से प्राप्त ज्ञान से हम लोक कल्याण, मानवता, विश्वकल्याण और शांति के लिए प्रेरित हो। बसंत पंचमी प्रकृति के नव निर्माण का पर्व है। यह हमारे किसानों के परिश्रम, समर्पण और समृद्धि का पर्व है।

राज्यपाल महोदय से राज्यसभा सांसद श्री सुभाष चंद्र गोयनका ने शिष्टाचार भेंट की

राज्यपाल महोदय ने कहा – वन्य प्राणियों के संरक्षण में वन सेवा के अधिकारियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका

राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक श्री भारत ज्योति तथा अपर निदेशक श्री सुशील कुमार अवस्थी ने राज्यपाल महोदय से मुलाकात की

राजभवन में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक श्री भारत ज्योति तथा अपर निदेशक श्री सुशील कुमार अवस्थी ने राज्यपाल महोदय से मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि देश के वन संसाधनों के कुशल प्रबंधन तथा वन्य प्राणियों के संरक्षण में वन सेवा के अधिकारियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। वन अधिकारियों को सतत विकास की धारणा के साथ कार्य करना चाहिए।

श्री भारत ज्योति ने राज्यपाल महोदय को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के विभिन्न प्रगति कार्यों की जानकारी दी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वनों तथा वन संपत्तियों के कुशल प्रबंधन हेतु वन सेवा के अधिकारियों को आधुनिक टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटाइजेशन, सेटेलाइट तकनीक आदि का पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। वन अधिकारियों को वनों के संरक्षण में स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उनमें ग्रामीणों तथा स्थानीय लोगों के साथ समन्वय के साथ कार्य करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। इससे वन अधिकारियों को स्थानीय लोगों के परंपरागत अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा – कृषि वैज्ञानिकों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ किसानों को मिले

राजभवन में विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकांत ने माननीय राज्यपाल महोदय से मुलाकात की

राजभवन में राज्यपाल महोदय से विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकांत ने मुलाकात की। डॉ. लक्ष्मीकांत ने राज्यपाल को विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में किये जा रहे कृषि अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी।

इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ किसानों को मिलना चाहिए। लैब टू लैंड के सूत्र को कामयाब करके ही किसानों की आय दोगुनी की जा सकती है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को प्रचलित फसलों के साथ ही उत्तराखंड की स्थानीय फसलों की उन्नत प्रजातियों के विकास पर भी शोध कार्य करने चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को उत्तराखण्ड की परंपरागत फसलों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के अनुसंधान तथा किसानों के अथक परिश्रम से राज्य में कृषि क्रांति संभव है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में जैविक खेती की अपार संभावनाएं हैं। कृषि वैज्ञानिकों को जैविक खेती पर अनुसंधान को प्राथमिकता देनी चाहिए। राज्य में महिलाओं का कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। कृषि अनुसंधानों का लाभ महिला किसानों को प्राथमिकता से प्राप्त होना चाहिए। भविष्य में उत्तराखण्ड की पर्वतीय क्षेत्रों में महिलाएं ही आर्थिक सशक्तीकरण का नेतृत्व करेंगी।

राजभवन में होगा उत्तराखण्ड की स्थानीय एवं शास्त्रीय ललित कलाओं के संवर्धन हेतु एडवाजरी बोर्ड का गठन

राज्यपाल महोदय ने कहा - उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक धरोहरों एवं कलाओं के संरक्षण हेतु राज्य की नई पीढ़ी पहल करे

राजभवन में स्पिक मैके के पदाधिकारियों ने राज्यपाल महोदय से मुलाकात की और राज्य में ललित कलाओं के विकास के लिए एक एडवाइजरी बोर्ड के गठन के लिए निवेदन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) की पहल पर उत्तराखण्ड की स्थानीय ललित कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन तथा शास्त्रीय गीत-संगीत, नृत्य, कला, के संरक्षण हेतु एक एडवाजरी बोर्ड के गठन पर चर्चा की गई। राज्यपाल महोदय इसके अध्यक्ष होंगे साथ ही इसमें विश्वविद्यालयों के कुलपति, उत्तराखण्ड के सामाजिक, शैक्षणिक एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियाँ सदस्य की रूप में सम्मिलित की जाएंगी।

इस संबंध में स्पिक मैके के पदाधिकारियों के साथ कार्य योजना बनाते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड के पहाड़ी जिलों, दूरदराज के इलाकों में रहने वाले बच्चों को भी शास्त्रीय गीत-संगीत, नृत्य एवं विविध कलाओं का प्रशिक्षण आसानी से प्राप्त होना चाहिए। ललित कलाओं के माध्यम से रिवर्स माइग्रेशन, महिला सशक्तीकरण, स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश जनमानस तक पहुंचाने के लिए उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक, धार्मिक विरासतों, पारम्परिक नृत्यों, संगीत और विविध कलाओं पर शोध-अनुसंधान (आर एण्ड डी) को प्राथमिकता से प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायक, संगीतकार, नर्तक तथा राज्य के प्रत्येक जिले से 20-20 स्कूली बच्चों को निमंत्रित किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि भारत की 2500 वर्ष पुरानी परम्पराएं, संस्कृति, कलाएं तथा सभ्यता अत्यन्त समृद्ध एवं गौरवशाली रही हैं। यह प्रसन्नता का विषय है कि हम अब अपनी समृद्धशाली संस्कृति, सभ्यता और परम्पराओं की ओर पुनः लौट रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि गीत, संगीत, नृत्य जैसी ललित कलाओं के माध्यम से सोच-विचार के क्षेत्र में क्रान्ति की जानी चाहिए। कलाओं के माध्यम से सामाजिक संदेशों को आम जनमानस तक पहुंचाया जाना चाहिए। बच्चों में राष्ट्रीयता, देशभक्ति और देशसेवा की भावना का विकास भी कलाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सांस्कृतिक दृष्टि से एक समृद्ध राज्य हैं। यहाँ की लोक संस्कृति व कलाएं अद्वितीय है। उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक धरोहरों एवं कलाओं के संरक्षण हेतु राज्य की नई पीढ़ी को पहल करनी चाहिए। डिजिटाइजेशन, सोशल मीडिया, मास मीडिया के माध्यम से इनका प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

राजभवन में 'राष्ट्र, मतदान और लोकतंत्र' विषय पर अन्तर-विश्वविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए राजभवन की पहल
"मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी"

चुनाव में मतदाताओं को अपने वोट का अधिक से अधिक संख्या में उपयोग करने के प्रति जागरूकता लाने के लिए राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) की ओर से एक अभिनव पहल की गई। राजभवन में "राष्ट्र, मतदान और लोकतंत्र" थीम पर अन्तर-विश्वविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने मतदान तथा लोकतंत्र पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि जागरूक युवा शक्ति के बल पर इस महान देश के लोकतंत्र को और अधिक मजबूती मिलेगी। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में मतदान से बड़ी कोई ताकत नहीं हो सकती है। लोकतंत्र में मतदाता ही सरकार का भाग्य विधाता है। मतदान कर्तव्य और अधिकार दोनों ही है।

राज्यपाल महोदय ने नागरिकों को अपने मताधिकार के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि नागरिकों को मूल कर्तव्यों को पढ़ना, समझना और उनका पूरी श्रद्धा के साथ पालन करना चाहिए। विशेषकर युवाओं

से इस दिशा में बड़ी उम्मीदें हैं। हमें वर्ष में एक दिन मौलिक कर्तव्य दिवस के रूप में मनाना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत 66 प्रतिशत रहा। इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाने में राज्य के सभी 81 लाख से अधिक मतदाताओं को मतदान करने का दृढ़ निश्चय करना है। हमें सौ फीसदी मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना है। हमें देश के अन्य राज्यों और दुनियाभर के लोकतांत्रिक देशों के लिए एक मिसाल पेश करनी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि लोकतंत्र के इस महायज्ञ में समाज के हर तबके की भागीदारी बेहद जरूरी है। एक-एक मत अमूल्य है। इस बार हमारे 68478 दिव्यांग जन भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा सभी प्रकार के मतदाताओं की सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। 80 वर्ष से अधिक आयु के बजुर्गों, कोविड के मरीजों, दिव्यांगों आदि के लिए पोस्टल बैलेट की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य है कि कोई भी मत न छूटे। राज्य में कुल 11647 पोलिंग बूथों के माध्यम से मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होगी। इस बार पोलिंग बूथों की संख्या भी बढ़ी है। मातृ शक्ति के राज्य उत्तराखण्ड में महिलाओं की सभी क्षेत्रों की तरह लोकतंत्र की मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तराखण्ड का इलेक्टर जेण्डर रेशियो 928 है। राज्य की लगभग 40 लाख महिला मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी से लोकतंत्र का यह महा अभियान सफल होगा।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे हेमवती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के एमबीबीएस के छात्र आकाश उनियाल ने अपने भाषण में कहा कि जिस प्रकार मानव शरीर का हर अंग, तंत्र और कोशिका जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। उसी तरह लोकतंत्र में हर मत अनमोल है। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर रही दून विश्वविद्यालय की छात्रा तनीशा रावत ने कहा कि मतदान ही लोकतंत्र की ताकत है। जागरूक मतदाता ही देश का भाग्य विधाता है। सभी को मतदान अवश्य करना चाहिए। तृतीय स्थान पर रहे कुमाऊँ विश्वविद्यालय के छात्र करनजीत सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी मतदाताओं को मतदान अवश्य करना चाहिए।' चतुर्थ स्थान पर रहे उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र पंकज गोदियाल ने कहा कि युवा शक्ति भारत का संविधान जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और धन, बल का भेदभाव किए बिना हर भारतीय को मतदान का यह पवित्र उत्तरदायित्व देता है।

राज्यपाल महोदय ने प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

राजभवन में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के साथ राज्यपाल महोदय

भारतीय खोजकर्ताओं तथा सर्वेक्षकों के योगदान पर सेमिनार किए जाएं

भारत के महासर्वेक्षक श्री सुनील कुमार से मुलाकात के दौरान राज्यपाल महोदय ने कहा

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से भारत के महासर्वेक्षक श्री सुनील कुमार ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल महोदय से आग्रह किया कि सर्वेक्षण तथा मैपिंग से सम्बन्धित जुड़े हितधारकों का एक सेमिनार आयोजित करने पर विचार किया जाए। यह सेमिनार भारतीय खोजकर्ताओं तथा सर्वेक्षकों के योगदान के बारे में आमजन को जागरूक करने के विषय पर केन्द्रित हो।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सर्वे ऑफ इण्डिया द्वारा सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं हेतु आवश्यक मानचित्र एवं आंकड़े उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। सर्वे ऑफ इण्डिया के तकनीक आधारित समाधानों का लाभ ग्रामीण आबादी को मिलना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सर्वे ऑफ इण्डिया को भूमिगत रूप से कार्य करने की अपेक्षा अन्य विभागों से भी संवाद करना चाहिए। बैठक के दौरान सर्वे ऑफ इण्डिया के अधिकारियों ने पूरे देश की मैपिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए इस प्रतिष्ठित संगठन में किए गए तकनीकी तथा डिजिटल परिवर्तनों पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि सर्वे ऑफ इण्डिया द्वारा वर्तमान में मैपिंग में आधुनिकतम तकनीक के साथ हाई रेज्योलूशन का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की परियोजनाएं जैसे स्वामित्व योजना, नेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट, नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत मैपिंग आदि में सर्वे ऑफ इण्डिया के कार्यों के बारे में भी जानकारी दी।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में अरुणाचल प्रदेश के
राज्यपाल ब्रिगेडियर बी.डी. मिश्रा का उत्तराखण्ड आगमन पर स्वागत किया

राज्यपाल ने कहा – राज्य के उभरते वैज्ञानिक बनें "गेम चेंजर" रिवर्स माइग्रेशन से उत्तराखण्ड की तस्वीर और तकदीर बदल दें

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र कुमार अद्वैत क्षेत्री को सम्मानित किया। कुमार अद्वैत क्षेत्री ने मात्र 11 वर्ष की आयु में हवा से चलने वाली मोटर साइकिल "अद्वैत 02" का आविष्कार किया। इसके साथ ही कुमार अद्वैत ने वर्ष 2020 मे बिना किसी पावर के चलने वाला मोबाइल चार्जर तथा वर्ष 2021 में बिजली, गैस, सौर ऊर्जा आदि का प्रयोग किए बिना पानी गरम करने वाले उपकरण का आविष्कार किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कुमार अद्वैत क्षेत्री जैसी उभरती वैज्ञानिक प्रतिभाएं राष्ट्र की अनमोल संपदा हैं। यह देखकर गर्व होता है कि हमारे मेधावी बच्चे नए-नए इनोवेशन कर रहे हैं, देश को प्रगति के पथ पर ले जा रहे हैं। देश की प्रगति और समृद्धि में वैज्ञानिक शोधों एवं नए अविष्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्यपाल महोदय ने कुमार अद्वैत के साथ बातचीत करते हुए विज्ञान तथा तकनीक के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड में विद्यालयी स्तर पर बच्चों में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता तथा अभिरुचि विकसित करने

की जरूरत है। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में रुचि रखने वाले छात्रों को इस प्रकार के आविष्कारों तथा इन्नोवेशन हेतु प्रयास करना चाहिए जिससे कि उत्तराखण्ड में रिवर्स माइग्रेशन, महिला सशक्तिकरण तथा स्थानीयता को मजबूती मिले।

नेशनल फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय सचिव श्री संतोष चतुर्वेदी और सदस्य राज्यपाल महोदय से मिले

राजभवन में नेशनल फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय सचिव श्री संतोष चतुर्वेदी तथा फेडरेशन के अन्य सदस्यों ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि मीडिया की समाज में अत्यंत रचनात्मक भूमिका है। पत्रकार तथा मीडिया आम जनमानस तथा सरकारों के मध्य संवाद कायम करने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। मीडिया जनहित से संबंधित मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सरकारों की जनहितकारी कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी मीडिया उल्लेखनीय योगदान देता है।

समाज में फैली विभिन्न विषमताओं को दूर करने तथा जनता को जागरूक करने में पत्रकार समुदाय प्रभावी योगदान दे सकता है। मीडिया में पत्रकार तथा संवाददाताओं के साथ ही फोटोग्राफर्स तथा कैमरामैन की भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। फोटोग्राफर वास्तव में फोटो जर्नलिस्ट है। कई अवसरों पर मात्र एक प्रभावी फोटो पूरा समाचार या मुद्दा बता देती है। राज्यपाल महोदय ने नेशनल फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल महोदय तथा राज्य की प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने राज्य विधानसभा हेतु मतदान किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) तथा राज्य की प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर ने मतदेय स्थल शहीद मेख बहादुर गुरूंग कैंट कन्या इंटर कॉलेज, गढ़ी, पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल ने राज्य के समस्त मतदाताओं से मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व तथा हर्ष का अवसर है। राज्य के समस्त मतदाताओं को मतदान अवश्य करना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक वोट अनमोल है।

लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री राधा कृष्ण माथुर का उत्तराखण्ड आगमन पर राजभवन में राज्यपाल महोदय द्वारा स्वागत किया गया

राजभवन में ब्रिगेडियर वी.एम. चौधरी कमांडेंट जी.आर.आर.सी ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

'संत रविदास जयन्ती' पर राज्यपाल महोदय ने दिया शुभकामना संदेश

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने महान् समाज सुधारक संत रविदास जी की जयन्ती के शुभ अवसर पर राज्य के सभी नागरिकों को बधाई व शुभकामनायें दी हैं।

संत रविदास जी की जंयती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल महोदय ने कहा कि "संत रविदास ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक विषमताओं और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए कठिन संघर्ष किया। समाज में शांति, प्रेम तथा समानता का माहौल तैयार करने के लिए हम सबको उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए।"

राज्यपाल महोदय सिकंदराबाद तेलंगाना, स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट पहुंचे, रक्षा सेवा के अधिकारियों को संबोधित किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत सिकंदराबाद तेलंगाना, स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट पहुंचे। राज्यपाल महोदय ने संस्थान का निरीक्षण किया तथा इस अवसर पर प्रशिक्षुओं को संबोधित भी किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, भारतीय सशस्त्र सेनाओं के अधिकारियों में उच्च प्रबंधन कौशल तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने की अहम जिम्मेदारी निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रबंधन कौशलों में पारंगत होना आवश्यक है। उनमें प्रभावी निर्णय क्षमता होनी भी जरूरी है। सैन्य अधिकारी नेचुरल लीडर हैं। उनमें स्वाभाविक नेतृत्व क्षमता है। उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी राष्ट्र निर्माण और समाज की सेवा में रचनात्मक योगदान देना है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह गौरव का विषय है कि वर्तमान में सैन्यभूमि उत्तराखण्ड उनकी कर्मभूमि है। प्राकृतिक सौंदर्य में समृद्ध, वन तथा जल संपदा से भरपूर तथा ईमानदार, परिश्रमी व उच्च कोटि के मानव संसाधन वाले उत्तराखण्ड राज्य की देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान है। राज्य के हर परिवार से एक व्यक्ति देश की रक्षा में तैनात है। यह देश ही नहीं विश्व के लिए एक उदाहरण है कि किस प्रकार उत्तराखण्ड में सैन्य परंपराएं पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत में चलती हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि अब राज्य में बेटियों को भी सैनिक सेवाओं हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। आशा है कि भविष्य में देश की रक्षा सेवा में उत्तराखण्ड की अधिक से अधिक बेटियां भी योगदान देंगी।

सिकंदराबाद तेलंगाना, स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से राजभवन तेलंगाना में ग्रेन रोबोटिक्स के सीईओ श्री किरण राजू ने मुलाकात की

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राजभवन उद्यान में कार्यरत श्रमिकों को पुरस्कृत किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन, देहरादून के उद्यान में कार्यरत श्रमिकों को पुरस्कृत किया। राज्यपाल ने उद्यान कर्मियों के अथक परिश्रम, लगन और कौशल की प्रशंसा की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि राजभवन उद्यान के विकास में यहां कार्यरत उद्यान कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए अच्छा वातावरण बने

उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने राज्यपाल से मुलाकात की

राजभवन में उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से मुलाकात की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य में बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के लिए अच्छे वातावरण निर्माण के प्रयास किए जाने चाहिए। बच्चे राज्य और देश के भविष्य की पूंजी हैं। बाल अधिकारों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा और विकास के लिए योजनाओं व कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। समाज की अन्तिम पंक्ति के वंचित बच्चों, बिना परिवार के बच्चों तथा आपदा से प्रभावित बच्चों के विकास और कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इस दिशा में सरकार और प्रशासन के साथ ही समाज के सभी वर्गों को भी आगे आना होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि समाज में बाल अधिकारों के सम्बन्ध में जागरूकता अत्यन्त आवश्यक है। साथ ही बच्चों के लिए मौजूदा कानूनों व सुरक्षा उपायों के बारे में लोगों को साक्षर किए जाने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि सुधार गृहों में रह रहे बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं व व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु अवसर उपलब्ध करवाए जाने चाहिए। बाल अधिकारों के संरक्षण एवं बच्चों के कल्याण हेतु वालंटियर्स, समाज सेवकों, सामाजिक संगठनों, एनजीओ एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी अहम भूमिका है। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने राज्यपाल को राज्य में बाल अधिकार संरक्षण के लिए मौजूदा कानूनों के तहत किए जा रहे सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। राज्यपाल महोदय ने बाल अधिकार संरक्षण सुरक्षा उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपेक्षा की।

राज्यपाल महोदय ने राजभवन में कारागार सुधार समिति की बैठक ली

कैदियों के लिए आवश्यक कौशल प्रशिक्षण एवं शिक्षा की व्यवस्था पर चर्चा

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में कारागार सुधार समिति (Prison Reform Committee) की बैठक ली। बैठक के दौरान राज्यपाल महोदय ने समिति के सदस्यों से जेल सुधारों पर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने निर्देश दिए कि राज्य के कारागारों के आंतरिक वातावरण, प्रबंधन तथा प्रशासन में सुधार के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने त्वरित ट्रायल तथा पैनल व्यवस्था में प्रभावी सुधार के भी निर्देश दिए। साथ ही राज्यपाल महोदय ने अपेक्षा भी की कि जेलों में वातावरण को सुधारा जाना चाहिए। विचाराधीन कैदियों की सुरक्षा एवं मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दों पर संवेदनशीलता से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जेल में कैदियों के लिए आवश्यक कौशल प्रशिक्षण एवं शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि रिहा होने के बाद वह आत्मनिर्भर बन सकें तथा आत्म सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर सकें।

राजभवन में राज्यपाल से पूर्व सैनिक संगठन पिथौरागढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

माननीय राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता में वसंतोत्सव आयोजन हेतु विभागों की योजना बैठक

राज्यपाल महोदय ने कहा - संस्कृति, परम्परा और स्थानीय उत्पादों पर केन्द्रित हों आयोजन

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) की अध्यक्षता में राजभवन में वसंतोत्सव 2022 की तैयारियों के लिए विभागों के साथ योजना बैठक की गई। दिनांक 8 व 9 मार्च को होने वाले इस उत्सव में इस बार उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में पवित्र माने जाने वाले माँ यमुना के मन्दिर में अर्पित किए जाने वाली यमुना तुलसी या कुण्ज पर स्पेशल पोस्टल कवर, डाक विभाग के सौजन्य से जारी किये जाने के विषय में जानकारी दी गयी। राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वसंत उत्सव के आयोजन के संबंध में विभिन्न निर्णय लिए गए।

इस अवसर पर नन्हीं बालिकाओं द्वारा राजभवन प्रांगण में फूलदेई पर्व की औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी तथा उत्तराखण्ड के लोकगीतों के साथ राज्यपाल महोदय का स्वागत किया जाएगा। इसमें राज्य के स्थानीय भोजन को वरीयता दी जाएगी। वसंतोत्सव 2022 में शहद उत्पादन, इत्र, ऐरामेटिक पौधों, औषधीय जड़ी बूटियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही राज्यपाल महोदय द्वारा मशरूम, शहद उत्पादन, जड़ी बूटी,

जैविक खेती आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच ब्राण्ड अम्बेसडर को सम्मानित किया जाएगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि वसंत उत्सव के माध्यम से उत्तराखण्ड में फ्लोरीकल्चर व ऐरोमेटिक पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। आशा की जानी चाहिए कि भविष्य में उत्तराखण्ड दुनिया भर में फ्लोरीकल्चर के क्षेत्र में एक बड़े डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा। फूलों की खेती के माध्यम से किसानों की आय को दोगुनी करने के लक्ष्य को पूरा किया जा सकता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह आयोजन राज्य के दूर-दराज के पुष्पोत्पादन, जड़ी-बूटी, सगन्ध पौधों तथा अन्य जैविक उत्पादों की व्यावसायिक खेती से जुड़े काश्तकारों एवं उत्पादकों के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित होगा।

बसन्तोत्सव में पुष्प प्रदर्शनी आम जनता के लिए 8 मार्च को दोपहर 12 बजे से सायं 6 बजे तक तथा 9 मार्च को सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक खुली रहेगी। इस वर्ष कुल 13 श्रेणियों में 147 पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। 8 मार्च को ही सायं संस्कृति विभाग के सौजन्य से लोक कलाकारों द्वारा राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रस्तुत की जायेगी। फूलों की होली सांस्कृतिक कार्यक्रमों की थीम होगी। आई.टी.बी.पी, आई.एम.ए बैण्ड के साथ ही अन्य विशिष्ट प्रदर्शनों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। उत्सव में 33 विभाग व संस्थाएं प्रतिभाग करेंगी। राज्यपाल ने 92 केन्द्रीय संस्थानों को भी इस आयोजन में सम्मिलित करने के निर्देश दिए। 9 मार्च को 'पुष्प प्रदर्शनी' के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत करने के साथ ही दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा।

इस वर्ष व्यावसायिक, निजी पुष्प उत्पादकों सहित विभिन्न सरकारी उद्यानों की पुष्प प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिताएं, पुष्प आधारित रंगोली प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। फूलों तथा प्राकृतिक सौन्दर्य पर आधारित फोटो प्रदर्शनी, पेंटिंग तथा विशेष डाक टिकटों की प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी। पुष्प प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिताओं हेतु विभिन्न श्रेणियों की कई प्रतियोगिताएं प्रस्तावित हैं जिनमें कट फ्लावर, पौटेड प्लांट अरेंजमेंट, लूज फ्लावर अरेंजमेंट, हैंगिंग पॉट्स जैसी सभी प्रतियोगिताओं के साथ-साथ 'ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी' भी आयोजित होगी।

बैठक में सचिव डॉ. मीनाक्षीसुन्दरम, निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग डॉ. एच.एस. बावेजा सहित पर्यटन, उद्यान, आई.टी.बी.पी, आई.एम.ए, ओ.एन.जी.सी, आई.एच.एम, जी.एम.वी.एन, पर्यटन, मौसम, भारतीय डाक, वन विभाग, पुलिस, संस्कृति, वित्त तथा उद्यान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न केन्द्रीय एवं राजकीय विभागों एवं संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि आदि भी उपस्थित थे।

'इंडियास इंटरनेशनल मूवमेंट टु यूनाइट नेशंस' की वीडियो कॉन्फ्रेंस को माननीय राज्यपाल महोदय ने संबोधित किया

राज्यपाल महोदय ने कहा - भारत की प्राचीन संस्कृति और विचार "वसुधैव कुटुम्बकम्"

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईआईएमयूएन संगठन, चेन्नई द्वारा आयोजित सेमिनार में संस्था से जुड़े हजारों युवाओं को संबोधित किया। इंडियास इंटरनेशनल मूवमेंट टु यूनाइट नेशंस विश्व के 35 देशों तथा 220 शहरों के 7500 स्कूलों के लाखों छात्रों का युवा संगठन है। यह संगठन विश्व के देशों में आपसी सौहार्द्र तथा मैत्री बढ़ाने के लिए कार्य करता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इंडियास इंटरनेशनल मूवमेंट टु यूनाइट नेशंस सिर्फ एक संस्था नहीं है, बल्कि यह महान विचार है। भारत की प्राचीन संस्कृति और विचार हमेशा से ही "वसुधैव कुटुम्बकम्" के रहे हैं। आज जिस ग्लोबल विलेज तथा थिंक ग्लोबली एक्ट लोकली अवधारणा की बात की जाती है, वह हमारी परम्पराओं का हिस्सा रही है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय होने के साथ-साथ हम ग्लोबल सिटीजन भी है। सभी देशों के हित एक दूसरे से जुड़े हैं। सभी देशों की चुनौतियां समस्याएं तथा अवसर सांझे हैं। ग्लोबल वार्मिंग, वैश्विक महामारी, आर्थिक मंदी तथा युद्ध जैसी समस्याएं किसी एक देश तक सीमित नहीं है। इनका दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को भुगतना पड़ता है। इनका समाधान भी ग्लोबल एक्शन में ही है।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं से कहा कि उन्हें अपने नायक या आदर्श सोच समझकर चुनने चाहिए। उन्हें सतर्क रहना चाहिए कि किन लोगों को अपना प्रेरणास्रोत मानते हैं, क्योंकि जैसे हमारे प्रेरणास्रोत होंगे, वैसी ही हमारी सोच और वैसा ही जीवन होगा। नई पीढ़ी को अपने धर्म, संस्कृति और समाज के महापुरुषों के बारे में जानना चाहिए और उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विभिन्न देशों के नागरिकों को एक दूसरे के साथ जुड़ना चाहिए, एक दूसरे की भाषाओं को सीखने का भी प्रयास करना चाहिए। भाषाओं के माध्यम से ही हम एक-दूसरे के सोच-विचार, संस्कृति और समाज को भी अच्छे से समझ सकते हैं। विभिन्न भाषाओं से भी बढ़कर है इंसानियत या मानवता की भाषा। मानवता की भाषा पूरी दुनिया में एक ही है। मानवीय संवेदनशीलता, दया, करुणा जैसी भावनाएं पूरी दुनिया में एक सी हैं।

राजभवन में मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में सचिव वित्त श्री अमित सिंह नेगी ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में एडीजी श्री अमित कुमार सिन्हा ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

राजभवन में ले. ज. आलोक कलेर ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से शिष्टाचार भेंट की

भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ जल संसाधन सौंपना प्रत्येक भारतीय का पवित्र कर्तव्य

राज्यपाल महोदय ने राजभवन से अतुल्य गंगा साइक्लॉथन 2022 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन देहरादून में अतुल्य गंगा साइक्लॉथन 2022 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ जल संसाधन सौंपना प्रत्येक भारतीय का पवित्र कर्तव्य तथा नैतिक जिम्मेदारी है। अतुल्य गंगा साइक्लॉथन 2022 गंगा नदी के पुनर्जीवीकरण का अभियान है। इस अभियान के तहत ले.ज. आलोक क्लेर के नेतृत्व में 1000 भूतपूर्व सैनिक उत्तराखण्ड के गंगोत्री से गंगासागर, बंगाल की खाड़ी तक साइकिल यात्रा के माध्यम से गंगा की स्वच्छता और पुनर्जीवीकरण के संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। यह साइक्लिंग महाअभियान 02 मार्च 2022 से 02 अप्रैल 2022 तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि इन साहसी और जोशीले भूतपूर्व सैनिकों ने अपने जीवन के अगले 11 वर्ष देशभर की

सूखती और प्रदूषित नदियों के पुनर्जीवीकरण के लिए समर्पित कर दिए हैं। इन भूतपूर्व सैनिकों ने अतुल्य गंगा ट्रस्ट के माध्यम से गंगा नदी से इस महाअभियान का शुभारम्भ राजभवन से किया।

इस अवसर पर महाअभियान से जुड़े भूतपूर्व सैनिकों को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज हमारा पर्यावरण ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण के कारण अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है। विशेषकर जल प्रदूषण हमारे समक्ष एक बड़ी चुनौती है। पानी पर रेड अलर्ट जारी हो चुका है। हमारा जल गुणवत्ता सूचकांक 120वें स्थान पर है। यह अत्यन्त चिंता का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि आज हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि जल को बचाने के लिए आगे आये। विशेषकर युवा वर्ग को मानवता को जल प्रदूषण से बचाने तथा जल संरक्षण के लिए पहल करनी होगी। भूतपूर्व सैनिकों का उत्साहवर्धन करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि निश्चित ही गंगोत्री से गंगासागर तक का यह साइक्लिंग महाअभियान लाखों युवाओं को नदियों के पुनर्जीवीकरण हेतु प्रेरित करेगा। इससे प्रदूषण का सटीक आकलन होगा। इस महाअभियान के तहत वृक्षारोपण अत्यन्त सराहनीय है। राज्यपाल ने अपील की कि इस अभियान के तहत लोगों को गंगा पर प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया जाए। उन्होंने अनुरोध किया कि लोग सिंगल यूज्ड प्लास्टिक का प्रयोग न करें।

इस अवसर पर ले.ज. अनिल पुरी, ब्रि. विकास रोहेला, ब्रि. नरेन्द्र चराग, बि. जयाचन्द्रन सीजे, कर्नल अमित बिष्ट, ले.ज. जितेन्द्र शानिया तथा बड़ी संख्या में साइक्लॉथन में प्रतिभाग करने वाले भूतपूर्व सैनिक उपस्थित थे।

ATULYA GANGA
CYCLOTHON
Sabkaa Sa
ATULYA GANGA
TRIUMPH

महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि तथा खुशहाली के लिए मंदिर में पूजा-अर्चना और प्रार्थना करते हुए
राज्यपाल महोदय एवं प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर

राज्यपाल महोदय से राजभवन में भारत संचार निगम लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार जैन ने मुलाकात की

राजभवन देहरादून में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार जैन ने राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से मुलाकात की। बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक श्री जैन ने राज्यपाल महोदय को उत्तराखण्ड में बीएसएनएल द्वारा संचालित दूरसंचार परियोजनाओं व संचार क्षेत्र में किये जा रहे विकास तथा पुनर्निर्माण कार्यों की जानकारी दी। राज्यपाल महोदय ने बीएसएनएल अधिकारियों से राज्य में दी जा रही सेवाओं विशेषकर 4जी सेवा के बारे में जानकारी ली। सीजीएम बीएसएनल ने जानकारी दी कि उत्तराखण्ड के सीमांत क्षेत्रों में भी दिसंबर अंत तक 4जी की सेवाएं आरंभ कर दी जाएंगी।

राज्यपाल महोदय ने अधिकारियों को विशेषकर उत्तराखण्ड के दूरदराज तथा सीमांत क्षेत्रों में बीएसएनएल सेवाओं में सुधार के निर्देश दिये। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों मे विशेषकर जहां पर सेना के जवान तैनात हैं, उन क्षेत्रों में मोबाइल टावर स्थापित किए जाएं। सीजीएम बीएसएनएल ने बताया कि इस दिशा में प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं तथा शीघ्र ही अनुमति मिलने पर कार्य आरंभ हो जाएगा। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा मार्ग, केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री तथा यमुनोत्री में सेटेलाइट लिंक के माध्यम से मोबाइल सेवा प्रदान की जा रही है, लेकिन अभी इसमें इंटरनेट की सुविधा नहीं है। शीघ्र ही इन क्षेत्रों में भी बीएसएनएल द्वारा इंटरनेट की सुविधा भी आरंभ कर दी जाएगी। बीएसएनएल उत्तराखण्ड में अपनी दूरसंचार सेवाओं में निरंतर सुधार तथा विस्तार कर रहा है।